तापमान

भोपाल	24.0°	29.0°
इंदौर	24.0°	29.0°
जबलपुर	26.0°	33.0°
ग्वालियर	28.0°	34.0°
सागर	24.0°	28.0°

नईदुनिया

वर्ष- 80
(भोपालः वर्ष 41 अंक 246, पृष्ठ 12)
श्रावण, कृष्ण पंचमी संवत् 2083
मंगलवार, 4 अगस्त 2026
कीमतः 3:00 रुपये

www.naiduniaonline.com

भोपाल संस्करण

भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

राजधानी... अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर से भोपाल को मिलेगी ....

व्यापार... सोना-चांदी में गिरावट, 10 ग्राम सोना 1.43 लाख रुपये ...

खेल... मिडफील्डर रोड्री हर्नांडिज़ को लेकर रियल मैड्रिड और ...

देश-विदेश... पांच वर्ष बाद सार्वजनिक रूप से नजर आईं ...

शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब...

नई दिल्ली : सावन के पहले सोमवार पर देशभर के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। उत्तराखंड के हरिद्वार में कांवड़ यात्रा शुरू होने के बाद सोमवार दोपहर तक लगभग एक करोड़ कांवड़िए पहुंच चुके हैं। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। झारखंड के देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। दर्शन के लिए लगभग पांच किलोमीटर लंबी कतार लगी रही। वहीं उत्तर प्रदेश के काशी विश्वनाथ मंदिर में दो लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। मंदिर परिसर में कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की करीब तीन किलोमीटर लंबी लाइन लगी रही। अधिक भीड़ को देखते हुए काशी विश्वनाथ मंदिर में जलाभिषेक के लिए प्रत्येक श्रद्धालु को लगभग एक सेकंड का समय दिया जा रहा है। प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन लगातार व्यवस्था और सुरक्षा पर नजर बनाए हुए है।

तीन राज्यों में उपचुनाव के परिणाम

मंजलपुर में भाजपा और दतिया में कांग्रेस बरकरार, बांकीपुर में प्रशांत किशोर जीते

बिहार में भाजपा की परम्परागत बांकीपुर विधानसभा सीट पर जन सुराज पार्टी का कब्जा

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के परिणाम सोमवार को घोषित कर दिए गए। बिहार की बांकीपुर सीट पर जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार नीरज कुमार को 18,953 मतों से पराजित कर जीत दर्ज की। प्रशांत किशोर को 63,203 वोट मिले, जबकि नीरज कुमार को 44,250 मत प्राप्त हुए। बांकीपुर सीट भाजपा के वरिष्ठ नेता नितिन नवीन की पारंपरिक सीट मानी जाती है। नितिन नवीन लगातार पांच बार यहां से विधायक रहे थे। उनके राज्यसभा सदस्य बनने के बाद यह सीट रिक्त हुई थी, जिसके लिए उपचुनाव कराया गया। मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने भाजपा के आशुतोष तिवारी को 6,016 मतों से हराया। भाजपा ने इस उपचुनाव में पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया था। मतगणना के दौरान पूर्व गृह मंत्री के पोलिंग बूथ पर भी कांग्रेस को भाजपा पर बढ़त मिली। गुजरात की मंजलपुर विधानसभा सीट पर भाजपा के सतेन्द्रभाई (सतीश) पटेल ने कांग्रेस के भिखाभाई रबारी को 30,630 मतों के अंतर से पराजित किया। इस जीत के साथ भाजपा ने सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखा। तीनों विधानसभा सीटों पर 30 जुलाई को मतदान कराया गया था।

गुजरात की मंजलपुर सीट पर भाजपा का कब्जा बरकरार, सतेन्द्रभाई 30,630 मतों से जीते

नितिन नबीन की सीट बांकीपुर में जन सुराज पार्टी का कब्जा, प्रशांत किशोर 18,953 मतों से जीते

दतिया में कांग्रेस के घनश्याम सिंह ने भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को 6,016 मतों से हराया

जीत के बाद मनाया जश्न ...

दतिया में कांग्रेस की जीत के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया और नेताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। वहीं गुजरात के वडोदरा में मंजलपुर सीट पर भाजपा की जीत के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं ने उत्सव मनाया और विजयी उम्मीदवार का स्वागत किया। जीत के बाद प्रशांत किशोर ने कहा कि उनकी प्राथमिकता जनता का सम्मान और क्षेत्र में विकास कार्यों को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि उनके विधायक बनने से बांकीपुर रातों-रात नहीं बदलेगा, लेकिन आने वाले दो-तीन महीनों में लोग सकारात्मक बदलाव देखेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार बेहतर नेतृत्व का हकदार है।

नरोत्तम के बूथ पर हार...

दतिया विधानसभा उपचुनाव में 9वें राउंड की मतगणना के बाद कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह 9,519 वोटों से आगे हैं। कांग्रेस को अब तक 44,958 वोट, जबकि भाजपा के आशुतोष तिवारी को 35,439 वोट मिले हैं। अब तक 15 में से 9 राउंड पूरे हो चुके हैं। 6 राउंड की गिनती बाकी है। 9वें राउंड में पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का पोलिंग बूथ नंबर-121 भी शामिल था। यहां कांग्रेस को 291 और भाजपा को 264 वोट मिले। यानी नरोत्तम के बूथ पर भी कांग्रेस को 27 वोटों की बढ़त मिली। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने दावा किया कि भाजपा के अंदरूनी समीकरणों का फायदा कांग्रेस को मिल रहा है।

खास-खबरें

ईरान में भारत के नए राजदूत होंगे नेगी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली : पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और अमेरिका-ईरान के बीच जारी कूटनीतिक एवं सामरिक घटनाक्रम के बीच भारत ने ईरान में अपने नए राजदूत की नियुक्ति की है। भारतीय विदेश सेवा के वरिष्ठ अधिकारी विश्वेश नेगी को तेहरान में भारत का नया राजदूत नियुक्त किया गया है। वह मौजूदा राजदूत रुद्र गौरव श्रेष्ठ का स्थान लेंगे, जिन्हें तुर्किये में भारत का राजदूत नियुक्त किया गया है।विदेश मंत्रालय के अनुसार, विश्वेश नेगी शीघ्र ही तेहरान में अपना कार्यभार संभालेंगे। उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है, जब पश्चिम एशिया में सुरक्षा और सामरिक स्थिति पर पूरी दुनिया की नजर बनी हुई है।

लोकसभा से सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश संख्या संशोधन विधेयक पारित

संसद में हंगामे के बीच कई अहम् विधेयक हुए मंजूर

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः संसद के मानसून सत्र के दौरान सोमवार को राम मंदिर चढ़ावा चोरी और नीट पेपर लीक विरोध प्रदर्शन से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष के हंगामे के बीच दोनों सदनों में महत्वपूर्ण विधायी कार्यवाही पूरी की गई। लोकसभा ने सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश सहित न्यायाधीशों की संख्या 34 से बढ़ाकर 38 करने संबंधी संशोधन विधेयक बिना चर्चा के पारित कर दिया। इसके बाद लगातार हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

राज्यसभा ने भी सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक को मंजूरी दे दी। विधेयक पारित होने के बाद उच्च सदन की कार्यवाही भी मंगलवार तक स्थगित कर दी गई।

प्रश्नकाल शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने नीट पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर पुलिस कार्रवाई और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। विपक्ष ने गृह मंत्री अमित शाह से सदन में उपस्थित होकर इस विषय पर बयान देने की मांग की। हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही बार-बार बाधित रही।

संसद के वर्तमान मानसून सत्र में कुल आठ विधेयक सूचीबद्ध किए गए हैं। इनमें वंदे मातरम विधेयक और पब्लिक एग्जामिनेशन संशोधन विधेयक पहले ही दोनों सदनों से पारित हो चुके हैं। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश संख्या संशोधन विधेयक लोकसभा तथा एमएसएमई विकास संशोधन विधेयक राज्यसभा से पारित हो गया। अब जन्म-मृत्यु पंजीकरण संशोधन विधेयक, आयकर संशोधन विधेयक, विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक तथा विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक को संसद की मंजूरी मिलनी शेष है। संसद के शेष सत्र में इन विधेयकों पर भी चर्चा और निर्णय होने की संभावना है।

जेन जी और जेन अल्फा से संवाद करेंगे सरसंघचालक भागवत

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत 6 अगस्त को मुंबई स्थित नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में जेन जेड और जेन अल्फा के प्रतिभागियों के साथ संवाद करेंगे। यह कार्यक्रम इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस (आईआईएमयूएन) की 15वीं वर्षगांठ और उसके वार्षिक चैंपियनशिप सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में देश के 100 से अधिक शहरों से आए 2,000 से ज्यादा हाई स्कूल छात्र भाग लेंगे। 15 से 19 वर्ष आयु वर्ग के प्रतिभागी अपने-अपने स्कूलों और कॉलेजों का प्रतिनिधित्व करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट में सरकार का आश्वासन

नीट प्रदर्शनकारी छात्रों पर नहीं होगी कानूनी कार्रवाईः केंद्र

जंतर-मंतर : गंभीर मामलों में दर्ज एफआईआर रहेंगी बरकरार

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि नीट पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से कहा कि सरकार अपने आश्वासन पर कायम है और छात्रों के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रदर्शन के दौरान गंभीर अपराधों से जुड़े 2,700 से अधिक लोगों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस नहीं ली जाएंगी और इन मामलों में कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। यह मामला जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन से जुड़ा है। प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों की ओर से सरकार के समक्ष तीन प्रमुख मांगें रखी गई थीं, जिन्हें सरकार ने स्वीकार कर लिया था। इनमें प्रदर्शन में शामिल छात्रों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं करने की मांग भी शामिल थी।

प्रधानमंत्री पर टिप्पणी मामले में नाबालिग को राहत

नई दिल्लीः जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाली नाबालिग के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया जाएगा। नोएडा में शिकायत दर्ज कराने वाली अधिवक्ता स्मृति सिंह चंदेल ने बताया कि मामला वापस ले लिया गया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, दिल्ली पुलिस ने भी नाबालिग के खिलाफ आगे कार्रवाई नहीं करने का निर्णय लिया है। इससे पहले नोएडा पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज की थी। बाद में नाबालिग ने वीडियो जारी कर माफी मांगते हुए कहा था कि वह बहकावे में आ गई थी।

नेत्रदान से दो लोगों को नई दृष्टि मिलेगी

पूर्व मंत्री पारस चंद्र जैन के निधन पर डॉ. यादव ने दी श्रद्धांजलि

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ नेता पारस चंद्र जैन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। निधन की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री भोपाल से उज्जैन पहुंचे और स्वर्गीय जैन की पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना भी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पारस चंद्र जैन एक वरिष्ठ, लोकप्रिय और जनप्रिय नेता थे, जिनकी जनता के बीच गहरी पहचान थी। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में राजनीति के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुख्यमंत्री ने उन्हें एक अच्छे पहलवान और सर्वोदयी व्यक्तित्व के रूप में याद करते हुए बाबा महाकाल से दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

नौरू अब कहलाएगा रिपब्लिक ऑफ नाओएरो

यारेन, एजेंसीः प्रशांत महासागर में स्थित दुनिया के तीसरे सबसे छोटे देश नौरू ने अपना आधिकारिक नाम बदलकर 'रिपब्लिक ऑफ नाओएरो' कर लिया है। संयुक्त राष्ट्र ने भी अपने अभिलेखों में नया नाम दर्ज कर लिया है। लगभग 12 हजार की आबादी वाले इस द्वीपीय देश की सरकार का कहना है कि 'नाओएरो' उसका मूल और पारंपरिक नाम है, जबकि 'नौरू' विदेशी उपयोग के कारण प्रचलित हुआ था।

सितंबर में होंगे छात्रसंघ चुनाव, सरकार का आश्वासन

2017 के बाद पहली बार कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में होगा छात्रसंघ गठन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्य प्रदेश में लगभग नौ वर्ष बाद छात्रसंघ चुनाव कराने का रास्ता साफ हो गया है। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट को आश्वासन दिया है कि वर्ष 2026-27 के शैक्षणिक सत्र में सितंबर माह के दौरान छात्रसंघ चुनाव कराए जाएंगे। सरकार के इस आश्वासन के बाद हाईकोर्ट ने इस संबंध में दायर जनहित याचिका का निराकरण कर दिया। जबलपुर निवासी छात्र अदनान अंसारी की ओर से दायर जनहित याचिका पर कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की खंडपीठ सुनवाई कर रही थी। याचिका में वर्ष 2017 के बाद से लंबित छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग की गई थी।

करीब तीन सप्ताह पहले हुई सुनवाई में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और उच्च शिक्षा विभाग के रवैये पर नाराजगी जताई थी। अदालत ने स्पष्ट कहा था कि केवल आश्वासन और बहानों से काम नहीं चलेगा तथा सरकार को चुनाव की निश्चित तिथि और पूरी कार्ययोजना प्रस्तुत करनी होगी।

इसके साथ ही अदालत ने 2026-27 का शैक्षणिक कैलेंडर भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। सरकार ने अदालत को बताया कि सितंबर 2026 में छात्रसंघ चुनाव कराए जाएंगे। इसके बाद अदालत ने जनहित याचिका का निस्तारण कर दिया। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता के अनुसार, वर्ष 2017 के बाद पहले कोरोना महामारी और बाद में अन्य कारणों का हवाला देकर छात्रसंघ चुनाव नहीं कराए गए।

यौन उत्पीड़न मामले में पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह बरी

विनेश फोगाट ने हाईकोर्ट जाने की घोषणा की

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने महिला पहलवानों से जुड़े यौन उत्पीड़न मामले में पूर्व सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को बरी कर दिया। फैसले के समय बृजभूषण शरण सिंह और भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व सचिव विनोद तोमर अदालत में मौजूद थे। फैसले के बाद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर भरोसा था और अदालत ने उन्हें सम्मानपूर्वक बरी किया है। उन्होंने कहा, 'होइहि सोइ जो राम रचि राखा। 'वहीं पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने कहा कि वे अदालत के फैसले से निराश हैं, लेकिन उम्मीद नहीं छोड़ी है। उन्होंने इस निर्णय को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती देने की घोषणा की। यह मामला वर्ष 2023 में महिला पहलवानों की शिकायतों के बाद सामने आया था।

त्वरित टिप्पणी

सत्ता-केंद्रित राजनीति से बाहर निकलने की जरूरत...

विधानसभा उपचुनाव की हार झटका नहीं, आईना है

डॉ. शिशिर उपाध्याय

भाजपा के लिए तीन राज्यों के उपचुनाव के परिणाम केवल सीटों की हार नहीं हैं, बल्कि यह बड़ा संकेत हैं कि जमीनी राजनीति में कुछ बुनियादी बदलाव हो रहे हैं। इन्हें नजरअंदाज करना पार्टी के लिए महंगा पड़ सकता है। गुजरात में बड़ी जीत जरूर मिली है, लेकिन मध्यप्रदेश के दतिया और बिहार के बांकीपुर में मिली हार ने पार्टी के भीतर और बाहर दोनों जगह बेचैनी पैदा कर दी है। खासकर बिहार की बांकीपुर सीट, जो तीन दशकों से भाजपा के कब्जे में थी और जिसे राष्ट्रीय अध्यक्ष ने छोड़ा था, वहां प्रशांत किशोर की पार्टी तीसरी ताकत के रूप में उभर गई। यह हार सिर्फ एक सीट की नहीं, बल्कि उस धारणा की भी है कि पारंपरिक वोट बैंक अब भी पूरी तरह अडिग है।

दतिया की कहानी और भी गहरी है। कद्दावर नेता का टिकट काटकर बाहरी चेहरे को उतारना और फिर चुनाव हार जाना यह दर्शाता है कि जमीनी कार्यकर्ताओं की सुनवाई नहीं हो रही है। कांग्रेस ने भले ही भीतरघात के आरोप में अपने नेता को बाहर किया हो, लेकिन वहां राजपूत लॉबी ने बूथ स्तर तक मेहनत कर जीत हासिल की। वहीं भाजपा में हार के बाद भी जिम्मेदारी तय करने के बजाय आरोप-प्रत्यारोप और श्रेय की खींचतान शुरू हो गई। इससे साफ है कि पार्टी में समन्वय और सामूहिक जवाबदेही की कमी है।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि पिछले कुछ समय से फैसले शीर्ष स्तर पर सिमटते जा रहे हैं। टिकट से लेकर मुख्यमंत्री चयन तक हर निर्णय दिल्ली से जुड़ा दिखाई देता है। मोदी और शाह के नाम पर हर फैसला स्वीकार कराया जाता है, जबकि संगठन की सामान्य प्रक्रिया कहीं नजर नहीं आती। राज्य सरकारों के कामकाज में भी केंद्र का प्रभाव स्पष्ट दिखता है। इससे कार्यकर्ताओं में यह भावना घर कर रही है कि मेहनत वे करें और निर्णय कोई और ले। ऐसे में कैडर आधारित पार्टी की आत्मा कमजोर होना स्वाभाविक है। विचारधारा के लिए काम करने वाले और सत्ता में हिस्सेदारी चाहने वाले दो गुट जब आमने-सामने आ जाएं, तो भीतरघात भी स्वाभाविक हो जाता है।

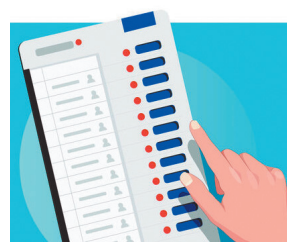

छात्र आंदोलन के बाद शिक्षा मंत्री का इस्तीफा और अब लगातार दो उपचुनावों में हार, यह सिलसिला पार्टी के लिए आत्ममंथन का अवसर है। बिहार में सम्राट चौधरी और मध्यप्रदेश में मोहन यादव सरकार की कार्यशैली पर भी सवाल उठेंगे, क्योंकि जनता को लगता है कि तंत्र अपनी गति से चल रहा है और बदलाव जमीन पर दिखाई नहीं दे रहा। कम मतदान और परंपरागत वोटों का खिसकना यह संकेत देता है कि नाराजगी मौजूद है, भले ही वह मुखर न हो। अनुशासन के कारण चुप्पी है, लेकिन अवसर मिलते ही वह सामने आ सकती है।

भाजपा की सबसे बड़ी ताकत हमेशा यह रही है कि वह हार और जीत, दोनों की समीक्षा करती है। लोकसभा चुनाव के झटके के बाद राज्यों में वापसी भी इसी आत्मविश्लेषण का परिणाम थी। अब फिर उसी दृष्टिकोण की जरूरत है। थोपे गए प्रत्याशी, मनमाने निर्णय और जमीनी संवाद की कमी को तुरंत दूर करना होगा। कार्यकर्ताओं को सम्मान देना होगा और उन्हें यह भरोसा दिलाना होगा कि पार्टी उनकी भी है। तभी बांकीपुर और दतिया जैसी हार भविष्य के बड़े चुनावों के लिए सबक बनेंगी, अन्यथा ऐसे झटके लगातार मिलते रहेंगे।